(40) 2021-22 (27)

शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापूर से संलग्न

सेनापति प्रतापराव गुजर शिक्षण संस्था कानडेवाडी संचलित,

राजा शिवछत्रपति कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, महागाँव,

त.गडहिंग्लज, जिला-कोल्हापूर (महाराष्ट्र) भारत

हिंदी विभाग तथा रूसी - भारतीय मैत्री संघ 'दिशा', मॉस्को, रूस के

संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेब - संगोष्ठी

बुधवार दि.११अगस्त, २०२१

विषय : 'हिंदी के अध्येताओं को रोजगार के अवसर'

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि, पाटील निलेश सुरेशचंद्र महाविद्यालय/विश्वविद्यालय कर्मवीर आबासाहेब तथा ना.म.सोनवणे कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय सटाणा ता.बागलाण, जिस.नाशिक ने शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापूर से संलग्न राजा शिवछत्रपति कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, महागाँव, हिंदी विभाग तथा रूसी - भारतीय मैत्री संघ 'दिशा', मॉस्को, रूस के संयुक्त तत्वावधान में 'हिंदी के अध्येताओं को रोजगार के अवसर' विषय पर आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेब - संगोष्ठी में उद्घाटक/ बीजभाषक/ प्रमुख अतिथि/ अध्यक्ष/ विशेषज्ञ/ सत्राध्यक्ष/ विषय प्रस्तोता/ प्रपत्र पाठक/ प्रतिभागी के रूप में उपस्थित रहकर सक्रीय योगदान देने के उपलक्ष्य में यह प्रमाणपत्र दिया जाता है।

शोधालेख शीर्षक -सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी: रोजगार के अवसर

6PNHAK-CE0003
76

हम आपके उज्जवल भविष्य कि कामना करते है।

डॉ. रामेश्वरसिंह	प्रा.व्ही. एन. विरकर	डॉ. सुगंधा घरपणकर	डॉ. निवास जाधव
संस्थाध्यक्ष	अध्यक्ष	समन्वयक	प्रधानाचार्य
रूसी - भारतीय मैत्री 'दिशा', मॉस्को	हिंदी विभाग	हिंदी विभाग	

Made for free with Certify'em

ISSN : 2395-7115

Impact Factor
3.811

Bohal Shodh Manjusha

AN INTERNATIONAL PEER REVIEWED, REFEREED MULTIDISCIPLINARY
& MULTIPLE LANGUAGES RESEARCH JOURNAL

राजा शिवछत्रपति कला व वाणिज्य महाविद्यालय महागांव, महाराष्ट्र
हिन्दी विभाग अंतर्राष्ट्रीय ई-संगोष्ठी विशेषांक नवम्बर 2021
हिन्दी के अध्येताओं को रोजगार के अवसर

डॉ. सुगंधा घरपणकर
विशेषांक सम्पादक

डॉ. नरेश सिहाग, एडवोकेट
सम्पादक

Publisher :
Gugan Ram Educational & Social Welfare Society (Regd.)
202, Old Housing Board, Bhiwani, Haryana-127021

क्र.	विषय	लेखक	पृष्ठ
1.	शुभकामना संदेश	डॉ. शहाबुद्दीन नियाज मुहम्मद शेख	9-9
2.	शुभकामना संदेश	सुरेशचन्द्र शुक्ल 'शरद आलोक'	10-10
3.	सम्पादकीय	डॉ. सुगन्या घरपणकर	11-11
4.	हिंदी के अध्येताओं को रोजगार के अवसर	डॉ. लता पाटील	12-13
5.	प्रयोजनमूलक हिंदी और रोजगार अर्जन : पत्रकारिता के संदर्भ में	प्रा. डॉ. हिंदुराव घरपणकर	14-17
6.	अनुवाद के क्षेत्र में हिंदी अध्ययता को रोजगार के अवसर	डॉ. नितीन (धनंजय) दत्तात्रेय पंडीत	18-21
7.	हिन्दी भाषा में रोजगार के अवसर	डॉ. नरेश कुमार सिहाग	22-23
8.	हिंदी के अध्येताओं को रोजगार के अवसर	डॉ. श्रीकांत बी. संगम	24-28
9.	रोजगार की भाषा-हिन्दी	राठोड राधा आत्माराम	29-33
10.	हिंदी में रोजगार का क्षेत्र : दृश्य-श्राव्य माध्यम	प्रा.डॉ. नेहा अनिल देसाई	34-36
11.	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में रोजगार के अवसर	प्रा. हसीना अ. मालदार	37-40
12.	हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर	प्रा. वाय.पी.पाटील	41-44
13.	हिंदी अध्येताओं को रोजगार के अवसर	गातवे युवराज शामराव	45-47
14.	राष्ट्रभाषा हिंदी में रोजगार के अवसर	सौ. रोहिणी गुरूलिंग खंदार	48-51
15.	हिंदी में रोजगार के अवसर	प्रा. ललिता भाउसाहेब घोडके	52-56
16.	हिन्दी विषय में कैरियर और रोजगार की संभावनाएं	डॉ. अनुसुइया अग्रवाल	57-60
17.	हिंदी अध्येताओं को रोजगार के अवसर	कुमारी शकुंतला दशरथ कुंभार	61-64
18.	हिंदी के अध्येताओं को रोजगार के अवसर	प्रा.डॉ.-गडाख दिपाश्री कैलास	65-68
19.	हिंदी भाषा और रोजगार की संभावनाएं	डॉ. सी.एल. महावर	69-72
20.	हिंदी भाषा-जीविकोपार्जन के अवसर एवं संभावनाएं	आरती शर्मा	73-77
21.	हिंदी भाषा तथा रोजगार	सुश्री स्वाति हिराजी देड	78-81
22.	हिंदी भाषा में रोजगार के अवसर	डॉ. भारती बाळकृष्ण धोंगड	82-85
23.	सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी : रोजगार के अवसर	श्री.निलेश सुरेशचंद्र पाटील	86-88
24.	हिंदी के अध्येताओं को रोजगार के अवसर	प्रा. अविनाश वसंतराव पाटील	89-90
25.	हिंदी के अध्यताओं को रोजगार के अवसर	डॉ. एम.एस. पाटील	91-95
26.	हिंदी अध्ययेता को रोजगार के अवसर	अनल रोडूअहरे, डॉ. अशोक मराठ	96-10
27.	हिंदी और रोजगार की संभावनाएँ	डा. संदीप पांडुरंग शिंदे	101-1
28.	हिंदी के अध्यायता को रोजगार के अनेकानेक शुभ अवसर	डॉ अंजना अप्पासाहेब कमलाकर	104-1
29.	रोजगार की भाषा हिन्दी	डॉ. संजय बजरंग देसाई	108-1
30.	हिंदी में रोजगार की संभावनाएं	डॉ. रूपाली दिलीप चौधरी	111-1

www.bohalsm.blogspot.com
Impact Factor : 3.811
Bohal Shodh Manjusha ISSN : 2395-7115
महागांव कोल्हापुर विशेषांक Page No. : 86-88
AN INTERNATIONAL PEER REVIEWED, REFEREED MULTIDISCIPLINARY & MULTIPLE LANGUAGES RESEARCH JOURNAL

सूचना प्रौद्योगिकी और हिंदी : रोजगार के अवसर

–श्री.निलेश सुरेशचंद्र पाटील

सहायक प्राध्यापक, कर्मवीर आबासाहेब तथा ना.म.सोनवणे,
कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविदयालय, सटाणा, ता. बागलाण जि.नाशिक

वर्तमान संचार–माध्यमों की क्रांति के काल में 'सूचना प्रौद्योगिकी' शब्द का अपना विशेष स्थान है। 'सूचना प्रौद्योगिकी' शब्द सूचना और प्रौद्योगिकी इन दो शब्दों से बना है। सूचना का अर्थ है सूचित करना, इत्तिला, बतलाना या अवगत करना, और प्रौद्योगिकी का अर्थ है औद्योगिक उत्पादन का विज्ञान या उदयोग विज्ञान। अर्थात प्रौद्योगिकी सूचना के एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजने की तकनीक है। प्रौद्योगिकी के अनेक तकनीकी साधनों में भाषा कें उपयोग से सूचनाओं का आदान–प्रदान किया जाता है। इसी प्रक्रिया में अनेक रोजगारों की निर्मिती होती है। सूचना प्रौद्योगिकी के विविध रुपों ने हमारे लिए तरक्की के नए द्वार खोल दिए है। मानव जीवन के दैनिक कार्य–कलापों से लेकर कृषि, स्वास्थ्य चिकित्सा, शिक्षा, बँकिंग, वाणिज्य–व्यापार आदि अनेक क्षेत्रों में सूचना प्रौद्योगिकी व्यापक परिवर्तन का आधार बनती जा रही है।

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में संचार–साधनों का महत्व बढ़ गया है। इनमें समाचार पत्र, पत्रिका, रेडिओ, दूरदर्शन, टेलीफोन, टेलिग्राफ, टेली कॉपियर, टेलेक्स, कम्प्यूटर, मोबाईल, टॅब, पेन ड्राईव, मोबाईल में विभिन्न ॲप्स, सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर, आदि अनेक अनेक साधन आज मानव जीवन का अभिन्न अंग बन गए है। ये सब संचार – माध्यम या साधन सीधे जनता से जुड़े हुए है। अतरू इनमें ऐसी भाषा का प्रयोग अनिवार्य बनता है,जिसे आम जनता आसानी से समझे, ग्रहण करे और स्वंय को व्यक्त कर सके। और हिंदी भाषा यह शर्त पूर्ण करती है।

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में भारत जैसे विशाल देश में संपर्क भाषा हिंदी आज संप्रेषण के साथ अर्थार्जन की भाषा भी बन गई है। हिंदी अध्ययनकर्ता हिंदी का स्वरुप तथा व्यवहार के क्षेत्रों में प्रयुक्त भाषा–ज्ञान प्राप्त करके पत्रकारिता, रेडियो, दूरदर्शन, इलेक्ट्रॅनिक मीडिया, सीरियल, हिंदी कम्प्यूटिंग, विज्ञापन का क्षेत्र, अनुवाद का क्षेत्र, बीमा, बैंक, रेल, शिक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकते है। स्पर्धा परीक्षाएँ, दुभाषियाँ, हिंदी टाईपिस्ट, हिंदी अध्यापन, साहित्य सृजन आदि अनेक क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएँ दृष्टिगोचर होती है। धशिक्षा तथा अनुसंधान के क्षेत्र में संगणक के द्वारा रोजगार के कई क्षेत्र खुले है।

भारत में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की प्रमुख भाषा हिंदी है। इसमें रोजगार की असीम संभावनाएँ है। जिनमें

ई–समाचार पत्रों के लिए स्तंभ या लेख लिखे जा सकते है। इन दिनों दूरदर्शन पर अनेक विषयों पर जानकारी, सलाह संबंधी अनेक कार्यक्रमों का प्रसारण होता है। दूरदर्शन पर प्रसिद्ध शेफ या कुक द्वारा अनेक पकवान बनाने की विधि का सीधा प्रसारण हिंदी भाषा में किया जाता है। जहाँ रोजगार की संभावनाएँ उपलब्ध है। जिनमें शेयर बाजार की जानकारी, स्वास्थ्य, चिकित्सा, कृषि, उद्योग, खेल–कूद, सौंदर्य, फिटनेस, पारिवारिक संबंध, व्यसन मुक्ति, शिक्षा, रोजगार आदि अनेक विषयोंपर कार्यक्रमों का आयोजन होता है। इनमें हिंदी भाषा का ही उपयोग होता है। साथ ही क्रिकेट तथा कॉमनवेल्थ, ओलंपिक, एशियाड और अनेक खेलों का सीधा प्रसारण, चर्चा पुनःप्रसारण, साक्षात्कार, कमेंट्रेटर आदि अनेक रोजगार के क्षेत्र निर्माण हुए है।

अनेक विज्ञापन संस्थाएँ, सिनेमा जगत, दूरदर्शन सीरियल, रेडियो जॉकी, निजी कंपनियों में कंटेन्ट राइटिंग, अनुवाद, स्क्रिप्ट, गीत, संवाद, पटकथा लेखन के लिए हिंदी में रोजगार की संभावनाएँ बढ़ी है। इंटरनेट पर कंटेन्ट राइटिंग तथा अनुवाद के लिए हिंदी के जानकारों की, विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है। हमारे देश में दूरदर्शन पर प्रसारित कार्यक्रमों में पौराणिक, ऐतिहासिक स्थान, घटना, पर्यटन क्षेत्र, ज्योतिष, धार्मिक प्रवचन आदि से संबंधित कार्यक्रमो का प्रसारण हिंदी में ही होता है। यह भी रोजगार का क्षेत्र है। योग हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग बन गया है। दूरदर्शन पर योग अभ्यास का सीधा प्रसारण हिंदी भाषा में होता है। मोबाईल में अनेक ऐप्स में हिंदी का उपयोग तथा यू–ट्यूब जैसे प पर अनेक वस्तु, कार्य, वाहन, खेती, दवाई, वनस्पति, वास्तु निर्माण, नक्शा, यंत्र दुरूस्ती, गीत कविताओं के वीडिओ हिंदी में बनाकर रोजगार प्राप्त हो सकता है। अनेक विदेशी कार्यक्रम, नेशनल जिओग्राफी चैनल, डिस्कवरी, नीमल प्लैनेट, ट्रावेलर साथ ही कार्टून सीरियल, फिल्मों मे हिंदी डबिंग या आवाज देना ये लोकप्रिय व्यावसायिक क्षेत्र बने है।

पारंपरिक शिक्षा पद्धति अध्ययन–अध्यापन, स्पर्धा परिक्षाएँ, साहित्य सृजन, विभिन्न प्रशासनिक पदों के प्रशिक्षण के लिए हिंदी एक विषय के रुप में होता है। साथ ही निजी कोचिंग केंद्र, व्यावसायिक पाठ्यक्रम BBA, MBA भी हिंदी में पढ़ाएं जाते है जहाँ रोजगार की संभावनाएँ बढ़ी है। संचार क्रांति के इस युग में ई–गवर्नेंस, ई–एज्यूकेशन, ई–बैंकिंग, ई–कॉमर्स, ई–मेडिसीन, ई–शॉपिंग जैसे अनेक क्षेत्रों में हिंदी भाषा के उपयोग के कारण रोजगार के अवसर बढ़े है।

वैश्वीकरण, निजीकरण और उदारीकरण के युग में बाजारवाद का महत्व निर्विवाद है। आज बाजार की गति समाज की गति निर्धारित करती है। समाज की समस्त गतिविधियाँ बाजार के माध्यम से संचालित होती है। जिसमें हिंदी भाषा को अपनाकर कार्य कार्यसिद्धि हो रही है। वैश्वीकरण के इस युग में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिंदी भाषा ने अच्छी तरह घुल–मिलकर अपना जनसंचारी व्यक्तित्व स्थिर किया है। हिंदी ने जनसंचार के सभी माध्यमों में अपनी योग्य शब्दावली और क्षमता का विस्तार किया है। आत्मसातीकरण की जबर्दस्त ताकत हिंदी में है। जिससे रोजगार की संभावनाएँ बढती है। सूचना प्रौद्योगिकीं में हिंदी के अधिक से अधिक प्रयोग से निश्चित ही रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। साथ ही संचार–माध्यमों के तकनीकी विकास से हिंदी के प्रयोग हेतु नये–नये मंच उपलब्ध होने की संभावनाएँ बढेगी। सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी द्वारा नवीनतम जानकारी उपलब्ध

होगी साथ ही वैचारिक आदान–प्रदान भी सुचारु रुप संभव होगा जो नये रोजगार के अवसर निर्मित करेगा।

संदर्भ ग्रंथ :-

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध आयाम, सं.प्रो.डॉ.सदानंद भोसले, परिदृश्य प्रकाशन, पुणे।
2. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ.लक्ष्मीकांत पाण्डेय, डॉ. प्रमिला अवस्थी, ज्ञानदेय प्रकाशन, कानपुर।
3. भाषा और भाषाविज्ञान : डॉ.तेजपाल चौधरी, विकास प्रकाशन, कानपुर।
4. हिंदी कम्प्यूटिंग : डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल, विकास प्रकाशन, कानपुर।
5. हिंदी और उसकी परिभाषाएँ : विमलेश कांति वर्मा, प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार।

ई–मेल :– nspatil14@gmail.com

भ्रमरध्वनी क्र.–७५७८१६६७४२